

209  
प्रेषक,

एस0एस0 वल्लिया,  
उप सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 28 मार्च, 2012

विषय:- पुनर्विनियोग की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3098/2-2267/पुनर्विनियोग/2011-12 दिनांक 22 मार्च, 2012 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ₹83.00 लाख (₹ तिरासी लाख) मात्र की धनराशि संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्र के अनुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से, आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। पूर्व जारी शासनादेशों एवं अन्य निर्धारित नियमों के दृष्टिगत कहीं कोई विसंगति की स्थिति संज्ञान में आती है, तो तत्काल प्रकरण पर शासन का मार्गदर्शन प्राप्त किया जाये।

3- धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जाय। धनराशि का आहरण/व्यय मासिक व्यय की सारिणी बनाकर यथाआवश्यकता नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। कालातीत देयकों के सम्बन्ध में भुगतान करने से पूर्व नियमानुसार उक्त के वास्तविक देयता की पुष्टि अवश्य कर ली जायेगी। अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में कदापि व्यय नहीं किया जायेगा। न ही अतिरिक्त देयता उत्पन्न की जायेगी।

 (2)

- 4- उक्त आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाय।
- 5- धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।
- 6- उक्त धनराशि का आहरण/व्यय भारत सरकार द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरूप नियमानुसार ही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2204-खेलकूद तथा युवा सेवाएं-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-00-04- प्रादेशिक विकास दल एवं युवा कल्याण-02-मजदूरी मानक मद के आयोजनेत्तर पक्ष में संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्र के कॉलम-1 में इंगित बचतों से वहन किया जायेगा।
- 8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-102(NP)/XXVII(3)/2011-12 दिनांक 27 मार्च, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक- यथोपरि।

भवदीय,

(एस0एस0वल्दिया)  
उप सचिव।

संख्या 70 / VI-2 / 2012-71(6)2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 5- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एस0एस0वल्दिया)  
उप सचिव।



उत्तराखण्ड शासन  
वित्त अनुभाग-3  
संख्या-102(NP)<sup>(2)</sup>/XXVII(3)/2011  
देहरादून दिनांक- 27 मार्च, 2012

पुनर्विनियोग स्वीकृति।

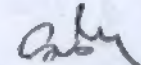
सेवा में,

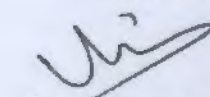
महालेखाकार,  
उत्तराखण्ड लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड,  
ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।

संख्या- 70 /VI-2/2012-51(1)/2011 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निदेशक, युवा कल्याण निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।  
उत्तराखण्ड शासन।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, 23 लक्ष्मी रोड़ देहरादून।
3. मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक, एन.आई.सी. सचिवालय।
6. गार्ड फाइल।

  
(शरद चन्द्र पाण्डेय)  
अपर सचिव, वित्त

आज्ञा से  
  
(प्रसाद पाण्डेय)  
उपसचिव

आय-व्ययक प्रपत्र-15  
पुनर्विनियोग 2011-12  
प्रशासनिक विभाग- युवा कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड शासन

नियंत्रक अधिकारी- निदेशक, युवा कल्याण निदेशालय

संख्या- 70 /VI-2/2012-51(1)/2011 देहरादून दिनांक: 28 मार्च, 2012

आयोजनेत्तर

(धनराशि हजार ₹ में)

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अध्यावधि व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस) धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है।	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-00 001- निदेशन तथा प्रशासन-00 05- युवा कल्याण परिषद को अनुदान 20- सहायक अनुदान/ अंशदान 20000	0	0	20000	2204- खेलकूद तथा युवा सेवायें-00 001- निदेशन तथा प्रशासन 04- प्रादेशिक विकास दल एवं युवा कल्याण-00 02- मजदूरी 8300	29889	11700	1. वित्तीय वर्ष में राज्य सेक्टर योजना में एस0सी0एस0पी0 एवं टी0एस0पी0 में प्राविधानित धन के अवशेष ने होने के कारण विभिन्न डियुटियों पर सृजित देनदारियों के निस्तारण हेतु। 2. अभी तक राज्य युवा कल्याण परिषद निधि नियमावली तैयार नहीं हुई है।
योग- 20000	0	0	20000	8300	29889	11700	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150, 155, 156 में उल्लिखित प्राविधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

(एस0एस0वल्दिया)  
उप सचिव।